'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Honours 3rd Semester Examination, 2021

CC6-HINDI (306)

छायावादोत्तर हिंदी कविता

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) 'आज नदी बिल्कुल उदास थी' कविता में नदी की उदासीनता का कारण स्पष्ट कीजिए।

(ख) कवि नागार्जुन की प्रतिबद्धता किसके प्रति है और क्यों हैं ?

(ग) रघुवीर सहाय की कविता का भाषिक-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'कुआनो नदी' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'सोन मछली' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(च) कवि अज्ञेय 'आहुति बनकर' किस रहस्य को जान जाते हैं ? संक्षेप में लिखिए।

2. किन्हीं चार पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 6×4 = 24

(क) जो कुछ खुलता सामने, समस्या है केवल
असली निदान पर जड़े वज्र के ताले हैं,
उत्तर शायद हो छिपा मूकता के भीतर
हम तो प्रश्नों का रूप सजाने वाले हैं।

(ख) स्वजन-परिजन के प्यार की डोर में.....
प्रियजन के पलकों की कोर में.....
सपनीली रातों के भोर में.....
बहुरूपा कल्पना रानी के आलिंगन-पाश में.....
तीसरी-चौथी पीढ़ियों के दंतुरित शिशु-सुलभ हास में.....
लाख-लाख मुखड़ों के तरुण हुलास में.....
आबद्ध हूँ, जी हाँ शतधा आबद्ध हूँ!

(ग) इस शांत समय में,
अंधकार को बेध, रो रही क्यों हो ?
कोकिल बोलो तो।
चुपचाप, मधुर विद्रोह-बीज
इस भाँति बो रही क्यों हो ?

(घ) हम निहारते
रूप काँच के पीछे
हाँप रही है, मछली।
रूप तृषा भी
(और काँच के पीछे)
है जिजीविषा।

(ङ) शक्ति अगर सीमित है
तो हर चीज अशक्त भी है
भुजाएँ अगर छोटी हैं,
तो सागर भी सिमटा हुआ है,
सामर्थ्य केवल इच्छा का दूसरा नाम है
जीवन और मृत्यु के बीच जो भूमि है
वह नियति की नहीं मेरी है

(च) खण्डन लोग चाहते हैं या कि मण्डन
या फिर केवल अनुवाद लिसलिसाता भक्ति से
स्वाधीन इस देश में चौंकते हैं लोग
एक स्वाधीन व्यक्ति से

3. किन्हीं दो प्रश्नों के दीर्घ उत्तर लिखिए – $12 \times 2 = 24$

(क) केदारनाथ अग्रवाल की प्रकृति चेतना पर विचार कीजिए।

(ख) माखनलाल चतुर्वेदी की काव्य-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

(ग) अज्ञेय की काव्य-भाषा की विशेषताएं लिखिए।

(घ) रघुवीर सहाय की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

——×——